
Shri Raghavachetanacharya Ashtakam

श्रीराघवचेतनाचार्याष्टकम्

Document Information

Text title : Shri Raghavachetanacharya Ashtakam

File name : rAghavachetanAchAryAShTakam.itx

Category : deities_misc, rAmAnanda, aShTaka, gurudev

Location : doc_deities_misc

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 8, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 8, 2023

sanskritdocuments.org


श्रीराघवचेतनाचार्याष्टकम्



राघवोपासकं चाथ रामभक्तिप्रदं कविम् ।
राघवचेतनं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ १ ॥
आनन्दभाष्यमर्मज्ञं तत्त्वत्रयोपदेशकम् ।
राघवचेतनं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ २ ॥
रामानन्दीयधर्माब्जभास्कर चाज्ञताहरम् ।
राघवचेतनं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ३ ॥
कथाकीर्त्तनकर्तारं जानकी-जानकीशयोः ।
राघवचेतनं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ४ ॥
वैष्णवधर्मवक्तारं विशिष्टाद्वैतवादिनम् ।
राघवचेतनं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ५ ॥
सिद्धवादिविजेतारं मुक्तिमार्गप्रकाशकम् ।
राघवचेतनं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ६ ॥
मन्त्रमुद्रादिसंस्कारकारकं साधुसेवकम् ।
राघवचेतनं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ७ ॥
मन्त्रराजादिमन्त्रज्ञं मन्त्रराजादिमन्त्रदम् ।
राघवचेतनं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ८ ॥
इति श्रीराघवचेतनाचार्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

pdf was typeset on December 8, 2023

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

